संतोष जाधव
97633 55727
95959 90200
साँई ट्रेव्हल्स
जेस्ट, इनोवा, टवेरा, झायलो
डिजायर, विस्टा एव सभी प्रकार की
लक्झरी गाड़ियां किराये पर उपलब्ध
मामा चौक, सिविल लाईंस, गोंदिया

साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना

प्रधान संपादक : अभिषेक चौहान । संपादक : नवीन अग्रवाल
E-mail : bulandgondia@gmail.com | E-paper : bulandgondia.net | Office Contact No.: 7670079009 | R. No.: MAH-HIN-10169

वर्ष : 1 । अंक : 36 | गोंदिया : गुरुवार, 15 से 21 अप्रेल 2021 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

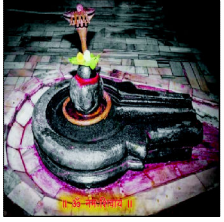

गोंदिया नगर के समस्त नागरिकों को

गुड़ी पाड़वा | चेट्रीचंड | चैत्र नवरात्र | डॉ.आंबेडकर जयंती | श्री राम नवमी

जितेन्द्र (बंटी) पंचबुद्धे
सभापति, नगर रचना, न.प.गोंदिया

हार्दिक शुभकामनाएँ

निर्मला मिश्रा
पार्षद, न.प.गोंदिया
गोंदिया शहर अध्यक्ष, भाजपा महिला मोर्चा

अशोक (गप्पु) गुप्ता
संचालक, डिस्ट्रक्ट को-आप. बैंक
युवा नेता, कांग्रेस

घनश्याम पानतवने
पार्षद व न.प.पक्ष नेता भाजपा

सचिन गोविंदभाऊ शेंडे
पुर्व सभापति, नगर रचना व पार्षद न.प.गोंदिया

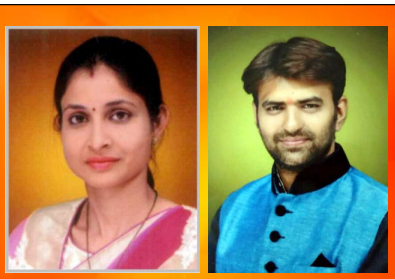

मौसमी व चेतन सोनछात्रा
पुर्व सभापति, शिक्षा, न.प.गोंदिया

अशोक चांडक
सामाजिक कार्यकर्ता, अर्जुनी मोरगांव

१५ अप्रेल
गोंदिया जिला अध्यक्ष
लोकचंद बिसेन
आपको
जन्मदिन की
हार्दिक शुभकामनाएँ
शुभेच्छु : कियुमोस की समस्त कार्यकारिणी

रोशन जायसवाल
युवा उद्योगपति व सामाजिक कार्यकर्ता

सुनिल तिवारी
पार्षद
नगर परिषद गोंदिया

आपका अपना समाचार पत्र
बुलंद गोंदिया
परिवार, गोंदिया

हेमलता पतेह
पार्षद
नगर परिषद गोंदिया

संपादकिय

अंत में सख्ती

आखिरकार निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों को फटकार लगाई है कि अगर उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान कोरोना संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया तो वह रैलियों पर रोक लगाने को बाध्य होगा। पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव हैं। उनमें से चार राज्यों के मतदान खत्म हो चुके हैं। पश्चिम बंगाल में भी चार चरण के मतदान हो चुके हैं।

आखिरी चार चरण के मतदान बचे हैं। हैरानी की बात है कि अब निर्वाचन आयोग को कोरोना नियमों की सुध आई है। जब पांचों राज्यों में चुनाव प्रक्रिया शुरु हुई थी तभी कोरोना के मामले बढ़ने शुरु हो गए थे और कई राज्यों में यह चिंतजनक स्तर पर पहुंच चुका था। मगर राजनीतिक दल बढ़-चढ़ कर रैलियों में अपना शक्ति प्रदर्शन कर रहे थे। लाखों की भीड़ जुटाने में जुटे थे। राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेता सड़कों पर जुलूस निकालने से लेकर मुहल्लों में घर-घर जाकर संपर्क बना रहे थे। टीवी कैमरों में साफ देखा जा रहा था कि उनमें से ज्यादातर न तो ठीक से नाक-मुंह ढंक रहे थे और न ही उचित दूरी का पालन कर रहे थे। रैलियों में धक्का-मुक्की ऐसे हो रही थी, जैसे कोरोना का कोई भय ही न हो।

ऐसा नहीं माना जा सकता कि उस वक्त निर्वाचन आयोग को चुनाव प्रचार में बरती जा रही मनमानी नजर नहीं आ रही थी। सोशल मीडिया और मुख्यधारा मीडिया के कुछ मंचों पर भी कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर चुनाव प्रचार में कोरोना नियमों का पालन न किए जाने को लेकर काफी चिंता जाहिर की जा रही थी।

कई लोग बार-बार निर्वाचन आयोग की चुप्पी पर अंगुलियां उठा रहे थे। अब जाकर इन नियमों की तरफ उसका ध्यान गया है तो स्वाभाविक ही उस पर फिर से अंगुलियां और बहुत सारे सवाल उठने शुरु हो गए हैं। इस बार पांच राज्यों, खासकर असम और बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक दलों की मनमानियां को लेकर खूब आपत्तियां दर्ज कराई गई और सबमें निर्वाचन आयोग की भूमिका लगभग निष्क्रिय बनी रही उससे उसकी मंशा पर जितने सवाल उठे, शायद पहले कभी नहीं उठे। कोरोना नियमों को लेकर उसकी चुप्पी सचमुच हैरान करने वाली थी।

इस दौरान जब कई राज्यों में रात का कर्फ्यू और सप्ताहांत की बंदी लागू की गई, अनेक जगहों पर कोरोना नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ पुलिस की सख्ती के कई उदाहरण सामने आए, जिसमें ठीक से मास्क न पहनने पर कुछ लोगों को बेरहमी से पीटने तक की तस्वीरें खूब प्रसारित हुईं। पर निर्वाचन आयोग चुनाव प्रचार में कोरोना नियमों के उल्लंघन को लेकर चुप्पी साधे रहा।

अब उसके रैलियों पर रोक लगाने संबंधी धमकी को लेकर स्वाभाविक ही सवाल उठ रहे हैं कि इससे कितनी राहत मिल सकती है। अब तक तो काफी लोगों में संक्रमण फैल चुका होगा। अब कुछ ही जगहों पर मतदान होने बाकी हैं, उनमें कितने लोगों को संक्रमण से रोका जा सकेगा।

यों भी चुनाव वाले राज्यों में कोरोना संक्रमण के सही-सही आंकड़े नहीं आ पा रहे हैं, इसलिए किसी ने कहा भी था कि वहां महामारी विस्फोटक रुप ले सकती है। निर्वाचन आयोग ने चुप्पी साध कर एक तरह से राजनीतिक दलों को मनमानी करने की छूट दी। अब भी वह इस मामले को लेकर बहुत गंभीर हो, ऐसा नहीं लगता। अगर सचमुच गंभीर है, तो उसे मनमानी करने वाले नेताओं और दलों के खिलाफ सख्ती से पेश आने का उदाहरण पेश करना चाहिए।

भगवान झूलेलाल का जन्मोत्सव

चेट्रीचंड

भारत एवं पाकिस्तान के लोगों द्वारा मनाया जाने वाला महत्वपूर्ण पर्व है जो नववर्ष के प्रथम दिन मनाया जाता है। विश्व के अन्य भागों में बसे हुए सिन्धी लोग भी चेट्रीचंड मनाते हैं। हिन्दू पंचांग के अनुसार चैत्र मास के दूसरे दिन अर्थात वर्ष प्रतिपदा के अगले दिन मनाया जाता है।

भारत में विभिन्न धर्मों, समुदायों और जातियों का समावेश है इसलिए यहाँ अनेकता में एकता के दर्शन होते हैं। यह हमारे देश के लिए गर्व की बात है कि यहाँ सभी धर्मों के त्योहारों को प्रमुखता से मनाया जाता है। चाहे वह दीपावली हो, ईद हो, क्रिसमस हो या भगवान झूलेलाल जयंती।

सिंधी समुदाय का त्योहार भगवान झूलेलाल का जन्मोत्सव **चेट्रीचंड** के रुप में पूरे देश में हर्षोल्लास से मनाया जाता है। इस त्योहार से जुड़ी हुई वैसे तो कई किवंदतियाँ हैं। परंतु प्रमुख यह है कि चूँकि सिंधी समुदाय व्यापारिक वर्ग रहा है, सो ये व्यापार के लिए जब जलमार्ग से गुजरते थे तो कई विपदाओं का सामना करना पड़ता था। जैसे समुद्री तूफान, जीव-जंतु, चट्टानें व समुद्री दस्यु गिरोह जो लूटपाट मचाकर व्यापारियों का सारा माल लूट लेते थे। इसलिए इनके यात्रा के लिए जाते समय ही महिलाएँ वरुण देवता की स्तुति करती थीं व तरह-तरह की मन्नतें माँगती थीं। चूँकि भगवान झूलेलाल जल के देवता हैं अत: ये सिंधी लोग के आराध्य देव माने जाते हैं। जब पुरुष वर्ग सकुशल लौट आता था। तब चेट्रीचंड को उत्सव के रुप में मनाया जाता था। मन्नतें पूरी की जाती थी व भंडारा किया जाता था।

पार्टीशन के बाद जब सिंधी समुदाय भारत में आया तब सभी तितर-बितर हो गए। तब सन् १९५२ में **प्रोफेसर राम पंजवानी** ने सिंधी लोगों को एकजुट करने के लिए अथक प्रयास किए। वे हर उस जगह गए जहाँ सिंधी लोग रह रहे थे। उनके प्रयास से दोबारा भगवान झूलेलाल का पर्व धूमधाम से मनाया जाने लगा, जिसके लिए पूरा समुदाय उनका आभारी है।

आज भी समुद्र के किनारे रहने वाले जल के देवता भगवान झूलेलाल जी को मानते हैं। इन्हें **अमरलाल** व **उडेरोलाला** नाम भी दिया गया है। भगवान झूलेलाल जी ने धर्म की रक्षा के लिए कई साहसिक कार्य किए जिसके लिए इनकी इनकी मान्यता इतनी ऊँचाई हासिल कर पाई।

जिन मंत्रों से इनका आह्वान किया जाता है उन्हें **लाल साईं जा पंजिड़ा** कहते हैं। वर्ष में एक बार सतत चालीस दिन इनकी अर्चना की जाती है, जिसे **लाल साईं जो चालीहो** कहते हैं। इन्हें ज्योतिस्वरुप माना जाता है। अत: झूलेलाल मंदिर में अखंड ज्योति जलती रहती है, शताब्दियों से यह सिलसिला चला आ रहा है। ज्योति जलती रहे इसकी जिम्मेदारी पुजारी को सौंप दी जाती है। संपूर्ण सिंधी समुदाय इन दिनों आस्था व भक्ति भावना के रस में डूब जाता है।

अखिल भारतीय सिंधी बोली और साहित्य ने इस दिन को **सिंधीयत-डे** घोषित किया है। आज भी जब कोई सिंधी परिवार घर में उत्सव आयोजित करता है तो सबसे पहले यही गूँज उठती है- **आयोलाल झूलेलाल, बेड़ा ही पार** अर्थात इनके नाम का जयघोष करने से ही सब मुश्किलों से पार हो जाएँगे।

सभी को झूलेलाल महोत्सव चेट्रीचंड की हार्दिक शुभकामनाएँ।

भगवान श्री राम का जन्मोत्सव

रामनवमी

रामनवमी का त्यौहार चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी मनाया जाता है। हिंदू धर्मशास्त्रों के अनुसार इस दिन मर्यादा-पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जन्म हुआ था।

चैत्रे नवम्यां प्राक् पक्षे दिवा पुण्ये पुनर्वसौ।
उदये गुरुगोरांश्चो: स्वोच्चस्थे ग्रहपंचके।।
मेषे पूषणि सम्प्राप्ते लग्ने कर्कटकाहवये।
आविरसीत्सकलया कौसल्यायां पर:
पुमान्।। (निर्णयसिन्धु)

राम जन्म कथा

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार त्रेतायुग में रावण के अत्याचारों को समाप्त करने तथा धर्म की पुन: स्थापना के लिये भगवान विष्णु ने मृत्यु लोक में श्री राम के रुप में अवतार लिया था। श्रीराम चन्द्र जी का जन्म चैत्र शुक्ल की नवमी के दिन पुनर्वसु नक्षत्र तथा कर्क लग्न में रानी कौशल्या की कोख से, राजा दशरथ के घर में हुआ था।

आदि राम

कबीर साहेब जी आदि राम की परिभाषा बताते है कि आदि राम वह अविनाशी परमात्मा है जो सब का सृजनहार व पालनहार है। जिसके एक इशारे पर धरती और आकाश काम करते हैं जिसकी स्तुति में तैंतीस करोड़ देवी-देवता नतमस्तक रहते हैं। जो पूर्ण मोक्षदायक व स्वयंभू है।

एक राम दशरथ का बेटा,
एक राम घट घट में बैठा।
एक राम का सकल उजियारा,
एक राम जगत से न्यारा।।

रामनवमी पूजन

रामनवमी के त्यौहार का महत्व हिंदू धर्म सभ्यता में महत्वपूर्ण रहा है। इस पर्व के साथ ही माँ दुर्गा के नवरात्रों का समापन भी होता है। हिन्दू धर्म में रामनवमी के दिन पूजा अर्चना की जाती है। रामनवमी की पूजा में पहले देवताओं पर जल, रोली और लेपन चढ़ाया जाता है, इसके बाद मूर्तियों पर मुट्ठी भर के चावल चढ़ाये जाते हैं। पूजा के बाद आरती की जाती है। कुछ लोग इस दिन व्रत भी रखते है।

रामनवमी का महत्व

यह पर्व भारत में श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाता है। रामनवमी के दिन ही चैत्र नवरात्र की समाप्ति भी हो जाती है। हिंदू धर्म शास्त्रों के अनुसार इस दिन भगवान श्री राम जी का जन्म हुआ था। अत: इस शुभ तिथि को भक्त लोग रामनवमी के रुप में मनाते हैं एवं पवित्र नदियों में स्नान करके पुण्य के भागीदार होते है।

रामनवमी का इतिहास

राम नवमी का त्यौहार हर साल मार्च-अप्रैल महीने में मनाया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि राम नवमी का इतिहास क्या है? राम नवमी का त्यौहार पिछले कई हजार सालों से मनाया जा रहा है। राम नवमी का त्यौहार भगवान विष्णु के सातवें अवतार भगवान राम के जन्म दिवस के रुप में मनाया जाता है।

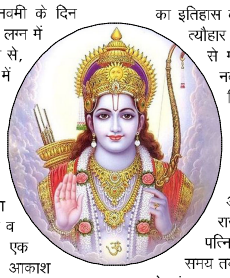

महाकाव्य रामायण के अनुसार अयोध्या के राजा दशरथ की तीन पत्नियाँ थीं, लेकिन बहुत समय तक कोई भी राजा दशरथ को संतान का सुख नहीं दे पायी थी। जिससे राजा दशरथ बहुत परेशान रहते थे। पुत्र प्राप्ति के लिए राजा दशरथ को कृषि वशिष्ठ ने कर्मेष्टि यज्ञ कराने को विचार दिया। इसके पश्चात् राजा दशरथ ने महर्षि रुशया शरुंगा से यज्ञ कराया।

यज्ञ समाप्ति के बाद महर्षि ने दशरथ की तीनों पत्नियों को एक-एक कटोरी खीर खाने को दी। खीर खाने के कुछ महीनों बाद ही तीनों रानियाँ गर्भवती हो गयीं। ठीक ९ महीनों बाद राजा दशरथ की सबसे बड़ी रानी कौशल्या ने राम को जो भगवान विष्णु के सातवें अवतार थे, कैकयी ने भरत को और सुमित्रा ने जुड़वा बच्चों लक्ष्मण और शत्रुघ्न को जन्म दिया। भगवान राम का जन्म धरती पर दुष्ट प्राणियों को खत्म करने के लिए हुआ था।

डॉ.आंबेडकर जयंती

डॉ.भीमराव आम्बेडकर जिन्हें डॉ.बाबा साहेब आम्बेडकर के नाम से भी जाना जाता है, का जन्म दिन १४ अप्रैल को पर्व के रुप में भारत समेत पूरे विश्व में मनाया जाता है। इस दिन को **समानता दिवस** और **ज्ञान दिवस** के रुप में भी मनाया जाता है, क्योंकि जीवन भर समानता के लिए संघर्ष करने वाले अम्बेडकर को समानता और ज्ञान के प्रतीक माना जाता है। अम्बेडकर को विश्व भर में उनके मानवाधिकार आंदोलन, संविधान निर्माता और उनकी प्रकांड विद्वता के लिए जाने जाते हैं और यह दिवस उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है। अम्बेडकर की पहली जयंती सदाशिव रणपिसे इन्होंने १४ अप्रेल १९२८ को पुणे शहर में मनाई थी। रणपिसे अम्बेडकर के अनुयायी थे। उन्होंने अम्बेडकर जयंती की प्रथा शुरु की और भीम जयंती के अवसर पर बाबा साहेब की प्रतिमा हाथी के अंबारी में रखकर रथ से, ऊंट के ऊपर कई मिरवणुक निकाली थी।

अम्बेडकर के जन्मदिन पर हर साल उनके करोड़ों अनुयायी उनके जन्मस्थल भीम जन्मभुमि महू (मध्यप्रदेश), बौद्ध धम्म दीक्षास्थल दीक्षाभूमि, नागपुर, उनका समाधी स्थल चैत्य भूमि, मुंबई जैसे कई स्थानिय जगहों पर उन्हें अभिवादन करने लिए इकट्ठा होते हैं। सरकारी दफ्तरों और भारत के बौद्ध-विहारों में भी आंबेडकर की जयंती मनाकर उन्हें नमन किया जाता है। विश्व के १०० से अधिक देशों में आंबेडकर जयंती मनाई जाती है।

गुगल ने डॉ. आंबेडकर की १२५ वी जयंती २०१५ पर अपने **गुगल डुडल** पर उनकी तस्वीर लगाकर उन्हें अभिवादन किया। तीन महाद्विपों के देशों में यह डुडल था।

सन २०१६ में भारत सरकार ने बड़े पैमाने पर देश तथा विश्व में आंबेडकर की १२५वी जयंती मनाई। इस दिन को सभी भारतीय राज्यों में सार्वजनिक अवकाश के रुप में घोषित किया गया। इसी वर्ष पहली बार संयुक्त राष्ट्र ने भी आंबेडकर की १२५ वी जयंती मनाई जिसमें १५६ देशों के प्रतिनिधीयों ने भाग लिया था। संयुक्त राष्ट्र ने आंबेडकर को **विश्व का प्रणेता** कहकर उनका गौरव किया। संयुक्त राष्ट्र के ७० वर्ष के इतिहास में वहां पहली बार किसी भारतीय व्यक्ती का जन्मदिवस मनाया गया था। उनके अलावा विश्व में केवल दों ऐसे व्यक्ती हैं जिनकी जयंती संयुक्त राष्ट्र ने मनाई है - मार्टिन लूथर किंग और नेल्सन मंडेला। आंबेडकर, किंग और मंडेला ये तीनों लोग अपने अपने देश में मानवाधिकार संघर्ष के सबसे बडे नेता के रुप में जाने जाते हैं। डॉ. भीमराव अम्बेडकर को बाबा साहेब नाम से भी जाना जाता है। अम्बेडकर जी उनमें से एक है जिन्होंने भारत के संविधान को बनाने में अपना अहम योगदान दिया था। दुनिया के कुल १०२ देशों में २०२० को आंबेडकर की १२९ वी जयंती को मनाया गया था। इस वर्ष १४ अप्रैल २०२१ को १३० वी जयंती मनाई जा रही है।

जयंती मनाना

आंबेडकर के योगदान को याद करने के लिये १४ अप्रैल को एक उत्सव से कहीं ज्यादा उत्साह के साथ लोगों के द्वारा आंबेडकर जयंती को मनाया जाता है। इस दिन उनके स्मरणों को अभिवादन किया जाता हैं। जयंती के दिन भारत के कई राज्यों में सार्वजनिक अवकाश के रुप में घोषित किया जाता हैं। नयी दिल्ली, संसद में उनकी मूर्ति पर हर वर्ष भारत के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री, अन्य राजनैतिक पार्टियों के नेताओं तथा आम लोगो द्वारा एक अभिवादन किया गया। बौद्ध एवं हिंदू दलित लोग अपने घरों में उनकी प्रतिमा को अभिवादन करते हैं। सार्वजनिक मुर्तियों पर लोग उन्हे पुष्पमाला पहनाकर सन्मान देते हैं, उनकी मूर्ति को सामने रख लोग परेड करते हैं, ढोल बजाकर नृत्य का भी आनन्द भी लेते हैं।

पूरे भारत भर में गावं, नगर तथा छोटे-बड़े शहरों में जुनून के साथ आंबेडकर जयंती मनायी जाती है। महाराष्ट्र में आंबेडकर जयंती बडे पैमाने पर मनाई जाती है। आंबेडकर के जन्मदिवस उत्सव के लिये विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते है, जिसमें चित्रकारी, सामान्य ज्ञान प्रश्न-उत्तर प्रतियोगिता, चर्चा, नृत्य, निबंध लेखन, परिचर्चा, खेल प्रतियोगिता और नाटक जिसके लिये पास के स्कूलों के विद्यार्थीयों सहित कई लोग भाग लेते हैं। इस उत्सव को मनाने के लिये सेमीनार आयोजित किये जाते है। आंबेडकर जयंती संपूर्ण विश्व में मनाई जाती हैं। अधिकांश रुप से आंबेडकर जयंती भारत में मनाई जाती है, भारत के हर राज्य में, राज्य के हर जिले में और जिले के लाखों गावों में मनाई जाती हैं। भारतीय समाज, लोकतंत्र, राजनिती एवं संस्कृती पर आंबेडकर का गहरा प्रभाव पड़ा हैं। सौ से अधिक देशों में हर वर्ष डॉ. आंबेडकर जी की जयंती मनाई जाती हैं।

प्राणायाम

योगाचार्य नरेन्द्र आर्य

प्रणव प्राणायाम या ओंकार

विधि – पूर्व निर्दिष्ट सभी प्राणायाम करने के बाद श्वास-प्रश्वास पर अपने मन को टीका कर प्राण के साथ उदित ओम का ध्यान करें। यह पिंड (देह) तथा समस्त ब्रम्हांड ओंकारमय हैं। ओंकार कोई व्यक्ति या आकृति विशेष नहीं है अपितु एक दिव्य शक्ति है जो इस संपूर्ण ब्रम्हांड का संचालन कर रही है। दृष्टा बनकर दिर्घ एवं सूक्ष्म गति से श्वास को लेते एवं छोड़ते समय श्वास की गति को इतनी सूक्ष्म होनी चाहिए कि स्वयं को भी श्वास की ध्वनि की अनुभूति ना हो तथा यदि नासिका के आगे रुई भी रख दें तो वह हिले नहीं। धीरे-धीरे अभ्यास बढ़ाकर प्रयास करें कि यह १ मिनट में एक सांस तथा एक प्रश्वास चले। इस प्रकार श्वास को भीतर तक देखने का भी प्रयत्न करें।

प्रारंभ में श्वास के स्पर्श की अनुभूति मात्र नासिका पर होगी। धीरे-धीरे श्वास के गहरे स्पर्श को भी अनुभव कर सकेंगे। इस प्रकार कुछ समय तक स्वास्थ्य के साथ दृष्टा अर्थात साक्षी भावपूर्वक ओमकार का जप करने से ध्यान स्वत: होने लगता है। अटपटा मन अत्यंत एकाग्र तथा ओंकार में तन्मय और तदरुप हो जाएगा। प्रणव के साथ-साथ वेदों के महान मंत्र गायत्री मंत्र का भी अर्थ पूर्वक जप एवं ध्यान किया जा सकता है। इस प्रकार साधक ध्यान करते हुए सच्चिदानंद स्वरुप ब्रम्हा के स्वरुप में सदा रुप होता हुआ समाधी के अनुपम दिव्य आनंद को भी प्राप्त कर सकता है।

लाभ – सोते समय भी इस प्रकार का ध्यान करते हुए सोना चाहिए। ऐसा करने से निंद्रा भी योगमयी जाती है। दु:स्वपन से छुटकारा मिलेगा तथा निंद्रा शीघ्र आएगी एवं प्रगाढ रहेंगी।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : इस सप्ताह धन संबंधी मसलों को लेकर आप जो प्रयास करेंगे, उसमें सफलता मिल सकती है. इस हफ्ते आप किसी यात्रा की योजना बना सकते हैं. जीवनसाथी के साथ तालमेल अच्छा बना रहेगा. कार्य क्षेत्र से संबंधित शुभ समाचार मिलेंगे तथा धन लाभ को लेकर स्थितियां अच्छी बनी रहेंगी. किसी भी प्रकार के नकारात्मक विचारों को अपने पर हावी न होने दें.

वृषभ : कार्यक्षेत्र में स्थिति आपके लिए अच्छी बनी रहेगी. किसी से व्यर्थ विवाद में ना उलझें. आपके आसपास कई तरह के नवीन बदलाव होंगे. परिस्थिति के अनुसार स्वयं को बदलें. परिवार का ध्यान रखें. दांपत्य सुख बना रहेगा.

मिथुन : इस सप्ताह इस राशि के जातकों को शारीरिक तथा मानसिक परेशानी बनी रह सकती है. जीवनसाथी का सहयोग आपके लिए मददगार रहेगा. व्यापार से संबंधित कोई लाभकारी योजना आपको मिल सकती है. दैनिक बोलचाल में अपनी वाणी पर संयम रखना उचित रहेगा. धन से जुड़ी चिंताएं कम हो सकती हैं.

कर्क : इस सप्ताह तुला राशि के जातकों के मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है. इस हफ्ते कामकाज को लेकर आप अधिक प्रयत्नशील बने रहेंगे तथा लाभ भी प्राप्त करेंगे. सेहत के लिहाज से देखा जाए तो ब्लड प्रेशर व शुगर के मरीज कुछ परेशान हो सकते हैं. यात्रा की अधिकता बनी रह सकती है. प्रेम-संबंध के लिहाज से यह हफ्ता मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा.

सिंह : इस सप्ताह आपको कार्यक्षेत्र में कार्यों को लेकर अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे. कार्यों को लेकर अगर कोई समस्या बनी हुई थी तो वह समाप्त होगी. इस हफ्ते आपको आय के नए मार्ग मिल सकते हैं. किया गया पुराना कोई निवेश आपको लाभ दे सकता है. हफ्ते के अंतिम भाग में सेहत का ध्यान रखें. व्यर्थ का व्यय संभव है.

कन्या : इस सप्ताह आपकी आय में अचानक वृद्धि के योग बन सकते हैं. कार्यक्षेत्र में लोगों पर आपका प्रभाव बना रहेगा. अधिकारी वर्ग के लोग आपके कार्य से प्रसन्न रहेंगे. वाणी व्यवहार पर संयम रखना आपको लाभ दिला सकता है. पारिवारिक माहौल अच्छा बना रहेगा. हफ्ते के अंतिम भाग में सेहत संबंधी कोई तकलीफ हो सकती है.

तुला : इस सप्ताह आपको भाग्य का पूर्ण सहयोग मिलेगा. भाग्य के सहयोग के चलते किसी कार्य में सफलता की प्राप्ति हो सकती है. संतान से सुख मिलेगा. धन संबंधी कोई लाभ आपको मिल सकता है. सेहत को लेकर कुछ समस्या हो सकती है. कार्यक्षेत्र में लाभ मिलेगा. जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा.

वृश्चिक : इस सप्ताह शुरुआती दिनों में कुछ शारीरिक तकलीफ हो सकती है. इस हफ्ते की गई यात्रा आपको लाभ प्रदान करेगी. लेखन या साहित्य के कार्यों से भी लाभ प्राप्त हो सकते हैं. किसी प्रकार के अटके कार्य इस हफ्ते पूर्ण हो सकते हैं. घर में किसी तरह के नए सामान की आप खरीदारी कर सकते हैं. वैवाहिक जीवन सामान्य बना रहेगा.

धनु : इस सप्ताह की शुरुआत दौड़भाग के साथ हो सकती है. कामकाज को लेकर आप इस हफ्ते अधिक मेहनत करते नजर आएंगे. उच्च अधिकारियों से आपके संबंध अच्छे व मधुर बने रहेंगे. व्यापारी वर्ग को इस हफ्ते कोई लाभ मिल सकता है. जीवनसाथी से लाभ मिलेगा. आपका कहीं फंसा हुआ पैसा आपको मिल सकता है. वाणी पर संयम रखें.

मकर : इस सप्ताह आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप अपने सारे कार्य आसानी से पूर्ण कर पाएंगे. इस हफ्ते आपके कार्यक्षेत्र तथा परिवार में प्रसन्नता भरा वातावरण बना रहेगा. धन लाभ के लिए यह हफ्ता उत्तम फल देने वाला बना रहेगा. आप वैवाहिक सुख का आनंद उठाएंगे. भाइयों व मित्रों की मदद आपको सफलता दिला सकती है. छात्रों को शुभ समाचार मिलेगा।

कुंभ : इस सप्ताह इस राशि के जातकों को शुरुआत में सेहत से जुड़ी कोई समस्या परेशान कर सकती है. भाइयों से लाभ की प्राप्ति हो सकती है. यात्रा के योग बने रहेंगे. परिजनों के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा भी कर सकते हैं. सहकर्मियों से कार्यों में सहयोग मिलेगा. इस हफ्ते आपको अपनी वाणी पर काफी ध्यान रखना होगा.

मीन : इस सप्ताह आप अपने पराक्रम के द्वारा सभी मुश्किलों पर विजय प्राप्त करेंगे. किसी प्रकार का स्थान परिवर्तन हो सकता है. सरकारी कामकाज में भी सफलता के योग बने रहेंगे. किए गए निवेशों से आपको फायदा हो सकता है. जीवनसाथी से लाभ मिल सकता है. सेहत का ध्यान रखें, सिरदर्द की समस्या हो सकती है.

१ मई तक राज्य में सख्त प्रतिबंध
कमजोर वर्ग के लिए ५ हजार ४७६ करोड़ का पैकेज

कोरोना संकट से निपटने में जरुरतमंदों की सहायता करना, किसी को नुकसान नहीं होगा - मुख्यमंत्री ठाकरे

मुंबई - राज्य में कोरोना वायरस की श्रृंखला को तोड़ने के लिये मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने अधिक कड़े प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। साथ ही आर्थिक रुप से कमजोर वर्गों को राहत देने के लिए ५,४७६ करोड़ रुपये के राहत पैकेज की घोषणा की है। ये सख्त प्रतिबंध राज्य में बुधवार, १४ अप्रेल २०२१ की रात ८ बजे से १ मई, २०२१ तक लागू रहेंगे। इस दौरान पूर्ण रुप से कर्फ्यू रहेगा। केवल आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी। इस संबंध में नए ब्रेक चेन के आदेश जारी किए गए हैं।

कोविड -१९ की दूसरी लहर मार्च २०२१ से राज्य में आयी है और इस लहर में पीड़ितों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। मरीजों की संख्या कम करने की आवश्यकता के परिणामस्वरुप सख्त तालाबंदी लागू की जा रही है। लेकिन इस अवधि के दौरान, आर्थिक रुप से कमजोर वर्गों को भोजन और वित्तीय सहायता देने का निर्णय लिया गया है। कोरोना संकट से निपटने के लिए सरकार जरुरतमंदों के साथ है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा है कि वे इस दौरान किसी का नुकसान नहीं होने देंगे।

सभी कमजोर घटक को राहत

गरीबी रेखा से नीचे के परिवार, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, विधवाओं, विकलांग, असंगठित नागरिक, श्रमिक, रिक्शाचालक और आदिवासी समुदाय के आर्थिक रुप से कमजोर वर्गों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इसके लिए खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग, सामाजिक न्याय और विशेष सहायता विभाग, उद्योग-ऊर्जा और श्रम विभाग, शहरी विकास विभाग और आदिवासी विकास विभाग के माध्यम से लाभार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

एक महीने का मुफ्त राशन

खाद्य सुरक्षा योजना के लाभार्थी मुफ्त खाद्यान्न योजना के तहत, राज्य में लगभग ७ करोड़ लाभार्थियों को प्रति माह ३ किलो गेंहू और २ किलो चावल प्रति व्यक्ति मुफ्त दिया जाएगा।

शिव भोजन थाली निशुल्क

राज्य में शिव भोजन योजना के तहत जरुरतमंदों को एक महीने तक शिव भोजन थाली मुफ्त में दी जाएगी। इसमें लगभग दो लाख प्लेट देने की योजना है।

पेंशन योजना के लाभार्थियों को वित्तीय सहायता

संजय गांधी निराधार योजना, श्रवणबाळ और केंद्र प्रायोजित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था सेवानिवृत्ति योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा सेवानिवृत्ति योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विकलांग सेवानिवृत्ति योजना के लगभग ३५ लाख लाभार्थियों को वित्तीय सहायता दी जाएगी।

निर्माण श्रमिकों को अनुदान

पंजीकृत निर्माण श्रमिक कल्याण योजना के तहत, महाराष्ट्र भवन और अन्य श्रमिक कल्याण बोर्ड के कोष से राज्य में लगभग १२ लाख पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को १५०० रुपये का अनुदान दिया जाएगा। इसके अलावा राज्य में २५ लाख घरेलू कामगारों के लिए विभिन्न कल्याणकारी सहायता के लिए एक विशाल कोष उपलब्ध कराया गया है।

फेरीवालों को वित्तीय सहायता

राज्य के लगभग पांच लाख फेरीवालों को प्रत्येक को १५०० रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। यह राशी सीधे उनके बैंक खाते में जमा की जाएगी। राज्य के १२ लाख रिक्शा चालकों को भी १५०० रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी।

आदिवासी परिवारों को सहायता

आदिवासी विकास विभाग की खावटी योजना से लाभान्वित होने वाले लगभग १२ लाख आदिवासी परिवारों को प्रति परिवार २००० रुपये की वित्तीय सहायता मिलेगी।

कोविड के लिए सुविधाओं का निर्माण

इसके अलावा जिलास्तर पर तालाबंदी अवधि के प्रबंधन के लिए लगभग ३,३०० करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसमें से धनराशि को संबंधित जिलों को चिकित्सा उपचार, उपकरण, सुविधा भवन और अन्य व्यवस्थाओं के लिए दी जाएगी।

इसके अलावा, स्थानीय निकायों और राज्य सरकारों और अन्य सरकारी निकायों के कारण करों, शुल्क और अन्य देयताओं को अप्रेल और मई के २ महीनों के लिए ब्याज मुक्त भुगतान करने की अनुमति दी जा रही है।

अवैध रेती परिवहन से राजस्व कर्मचारियों का माल सुतो अभियान

तहसील में रात में हो रही रेत की तस्करी

संतोष रोकड़े - अर्जुनी मोरगांव तहसील में रात के समय रेती का अवैध परिवहन किया जा रहा है जिसमें राजस्व कर्मचारी सिर्फ माल सुतो अभियान में व्यस्त है। जिसके चलते जिले में अवैध रेती का व्यवसाय जोर से शुरु है। कुछ दिनों पूर्व तहसीलदार विनोद मेश्राम ने रेती के अवैध व्यवसाय पर लगाम लगाई थी। जिसके लिए मंडल अधिकारी, पटवारी का विशेष पथक भी तैयार किया था। जिसमें कुछ प्रमाण में अवैध रेती व्यवसायियों पर लगाम लगने में सफलता मिली थी। अर्जुनी मोरगांव तहसील में रेती घाटों का नीलाम नहीं हुआ है। लेकिन आवास योजना के मकान व अन्य निर्माण कार्य के लिए रेती की जरुरत है। निर्माण कार्य बिना रेती के कैसे हो? जिसका फायदा उठाकर तहसील के कुछ ट्रैक्टर मालक कभी दिन में तो कभी रात में रेती का अवैध व्यवसाय कर रहे हैं। पटवारी व मंडल अधिकारी अपने अधिकार के अनुसार ट्रैक्टर को पकड़कर कार्रवाई तो करते हैं, लेकिन कुछ हजार रुपए की रिश्वत लेकर ट्रैक्टर को छोड़ दिया जाता है। जिसके चलते अवैध रेती परिवहन करने वालों के हौसले बुलंद हो गए हैं।

कुछ दिनों पूर्व गश्त लगा रहे कुछ कर्मचारियों पर रेती माफियाओं द्वारा उन पर ट्रैक्टर भी चढ़ा दिया गया था। निर्माण कार्य में घटिया दर्जे की रेती का उपयोग हो रहा है, जिस से संबंधित विभाग के इंजीनियर द्वारा किस प्रकार की मंजूरी दी जा रही है, इस पर प्रश्नचिन्ह निर्माण हो रहा है। ८ अप्रैल को कोरभीटोला में रेती तस्करी की जानकारी मंडल अधिकारी व पटवारी को दी गई। जिनके द्वारा ट्रैक्टर को पकड़कर ४० हजार रुपये की रिश्वत लेकर छोड़ने की चर्चा परिसर में चल रही है। इस संदर्भ में समाचार पत्र के प्रतिनिधि को मिलने पर मंडल अधिकारी से भ्रमणध्वनी पर पूछताछ किए जाने पर बाद में मिलना, ऐसा कहकर फोन को बंद कर दिया तथा पटवारी द्वारा भी फोन नहीं उठाया गया। इस संदर्भ में तहसीलदार विनोद मेश्राम को जानकारी देने पर उन्होंने कहा कि इसके सबूत दिए जाए तब हम कार्रवाई करेंगे। जिससे यह साफ नजर आ रहा है कि राजस्व विभाग के अधिकारी व कर्मचारी अर्जुनी मोरगांव तहसील में रेती के अवैध व्यवसाय में माल सुतो अभियान में लगे हुए हैं।

ऑक्सीजन व रेमडेसीविर इंजेक्शन की कमी कोरोना मरिजो की जान सांसत में

गोंदिया - कोरोना संक्रमण का दूसरा चरण काफी घातक साबित हो रहा है। जिससे मरीजों की संख्या में कई गुना बढ़ोतरी हो चुकी हैं। महाराष्ट्र व नागपुर-गोंदिया जिलों से लगे मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में पिछले चरण की तुलना में मरीजों की संख्या में प्रतिदिन कई गुना बढ़ोतरी हो रही है। इस गंभीर परिस्थिति में मरीजों को लगने वाली दवाईयां, इंजेक्शन व ऑक्सीजन सहित अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं शासन और प्रशासन के नियंत्रण से लगभग बाहर हो चुके है। गोंदिया जिले के शासकीय मेडिकल कॉलेज, जिला चिकित्सालय सहित मान्यता प्राप्त सभी निजी चिकित्सालय लगभग मरीजों से भर चुके हैं। जिन्हें बड़े पैमाने पर ऑक्सीजन की आवश्यकता पड़ रही है। लेकिन वर्तमान स्थिति में ऑक्सीजन व जीवन रक्षक इंजेक्शन रेमडेसीविर नहीं मिल पा रहा है। ऑक्सीजन के संदर्भ में शासकीय मेडिकल कॉलेज व निजी चिकित्सालय में मित्तल गैस एजेंसी द्वारा आपूर्ति की जाती है। इस संदर्भ में संचालक श्याम मित्तल से जानकारी लेने पर उन्होंने बताया कि पहले सामान्य परिस्थिति में किसी एक चिकित्सालय में अंदाजन १० सिलेंडर प्रतिदिन लगते हैं जो आज बढ़कर १० से १५ गुना हो चुकी है। खपत बढ़ने के चलते ऑक्सीजन निर्माता द्वारा भी उस प्रमाण में ऑक्सीजन का निर्माण नहीं कर पा रहे है। क्योंकि उन्हें भी समय पर लिक्विड ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही है। आज निर्माता कंपनियों में १० से २० गुना अधिक मांग बढ़ चुकी है। जहां लोग ऑक्सीजन के लिए कतार लगाकर खड़े है। हालांकि उनके द्वारा यह प्रयास निरंतर शुरु है कि जिले में ऑक्सीजन की आपूर्ति में कमी ना आ पाए। लेकिन इसी प्रकार की स्थिति बनी रही तो भविष्य में गंभीर स्थिति हो सकती है।

वर्तमान मरीजों की संख्या बढ़ने के चलते स्थिति गंभीर हो चुकी है, साथ ही ऑक्सीजन की कमी होने पर लगने वाला जीवन रक्षक इंजेक्शन रेमडेसीविर भी १० दिनों से उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। इस संदर्भ में जानकारी प्राप्त करने पर पता चला कि मांग के अनुरुप उत्पादन नहीं हो रहा है। हालांकि प्रशासन द्वारा इस पर नियंत्रण करने के लिए निरंतर कार्यवाही की जा रही है। लेकिन स्थिति नियंत्रण में आ पाएगी, यह बताया नहीं जा सकता। संक्रमण के निरंतर बढ़ने से शासन और प्रशासन की भी स्थिति नियंत्रण से बाहर हो रही है, जिसके लिए अब आम नागरिक को ही सावधानी बरतना होगा। नहीं तो आने वाले समय में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

गृहभेट आपके द्वार अभियान अंतर्गत देवरी तहसील में

७४४ पात्र लाभार्थियों की खोज

संवाददाता देवरी - महाराष्ट्र सरकार के सामाजिक अर्थसहाय योजना के अंतर्गत चलाए जा रहे गृहभेट अभियान के तहत ७४४ पात्र लाभार्थियों की तलाश की गई।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले के जिलाधिकारी दीपककुमार मीना, अतिरिक्त जिला अधिकारी राजेश खवले का आपके द्वार अभियान के अंतर्गत संजय गांधी निराधार योजना, श्रवण बाड़ राज्य निवृत्ती वेतन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्ध अकाल निवृत्ति वेतन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा निवृत्ति वेतन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विकलांग निवृत्ती वेतन योजना, राष्ट्रीय कुटुंब लाभ योजना के अंतर्गत कुल ७४४ पात्र लाभार्थियों की तलाश कर उनके आवेदन भरे गए।

उपरोक्त अभियान जनवरी से मार्च २०२१ तक चलाया गया, जिसमें ७४४ में से ७३८ प्रकरण ३१ मार्च २०२१ को मंजूर किए गए। उपरोक्त अभियान के सफलता के लिए तहसीलदार विजय बोरुडे सभी नायब तहसीलदार, मंडल अधिकारी तथा पटवारी, कनिष्ठ लिपिक राहुल चोपकर व आय.टी. सहायक पंचम राऊत ने सहयोग किया।

एस.एस.गर्ल्स स्कूल में बनाए अतिरिक्त कोरोना वार्ड

गोंदिया जिले में विशेषकर गोंदिया तहसील में कोरोना का हॉटस्पॉट बन रहा है। यहां ६०० से ७०० नए मरीज प्रतिदिन आ रहे हैं। जिसके चलते शासकीय व निजी चिकित्सालय पूर्ण रुप से भर चुके हैं। जिससे स्वास्थ्य सेवा चरमरा गई है। इस मामले में पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने जिला अधिकारी दीपककुमार मीणा को अवगत कराते हुए स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए कड़े कदम उठाने का अनुरोध किया है। साथ ही जिलाधिकारी से मांग की है कि शासकीय चिकित्सालय में मरीजों की बेड क्षमता बढ़ाने के लिए चिकित्सालय की इमारत से लगी हुई नप के एस.एस. गर्ल्स स्कूल के बीच की दीवार निकाल देने से वहां कोरोना बाधित मरीजों के इलाज के लिए २४ घंटों में अतिरिक्त वार्ड व बेड तैयार हो सकते हैं। इस संदर्भ में जिलाधिकारी द्वारा कोटेएस प्रशासन एवं नगर परिषद से जानकारी लेकर जल्द ही एस.एस.गर्ल्स स्कूल में अतिरिक्त वार्ड शुरु करने का आश्वासन दिया।

ऑक्सीजन व रेमडेसीवर की व्यवस्था को लेकर मंत्री शिंगणे व आयुक्त काले से चर्चा

पून: मरीजों की बढ़ती संख्या के चलते जिले में ऑक्सीजन व रेमडेसीविर इंजेक्शन की भारी कमी हो गई है। इस संदर्भ में पूर्व विधायक अग्रवाल ने राज्य के औषध प्रशासन मंत्री डॉ. राजेंद्र सिंह व आयुक्त अभिमन्यु काले से फोन पर चर्चा कर उन्हें अवगत कराया, कि अस्पताल में बेड नहीं है, इंजेक्शन और ऑक्सीजन की कमी हो रही है। इस महामारी से लड़ने के लिए सरकार की तैयारियों पर उन्होंने गहरा रोष व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि व्हाट्सएप पर सूचना मिल रही है कि नितिन गडकरी ने नागपुर जिले के लिए सन फार्मा कंपनी के मालिक से चर्चा कर १०००० रेमडेसीविर इंजेक्शन की व्यवस्था कर ली है, लेकिन गोंदिया जिले में ऐसी व्यवस्था करने वाला कोई नहीं है। जिला अधिकारी ने कुछ दवा दुकानों का दौरा कर व्यवस्था को दुरुस्त करने का प्रयास किया, लेकिन बड़ा सुधार नहीं हुआ। इस पर मंत्री ने एवं आयुक्त ने जल्द से जल्द गोंदिया जिले के लिए रेमडेसीविर इंजेक्शन एवं ऑक्सीजन की व्यवस्था करावा देने का आश्वासन पूर्व विधायक गोपाल दास अग्रवाल को दिया।

राज्य में १०-१२ वीं की परीक्षाएं स्थगित करने का निर्णय

मई के अंत में १२ वीं तथा जून में १० वीं कक्षा की परीक्षा लेने के लिए योजना और पूरी तैयारी की जानी चाहिए और - सीएम

मुंबई - सरकार ने राज्य में कोरोना की बढ़ती व्यापकता और छात्रों और अभिभावकों के बीच तनाव, छात्रों की सुरक्षा और उनके हितों के लिए निर्धारित परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए दसवीं और बारहवीं की निर्धारित परीक्षाओं को स्थगित करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सुझाव दिया है कि १२ वीं कक्षा की परीक्षा मई के अंतिम सप्ताह में और १० वीं कक्षा की परीक्षा जून में आयोजित की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अन्य परीक्षा बोर्डों को राज्य में दसवीं और बारहवीं की परीक्षाओं में बदलाव के बारे में सूचित किया जाना चाहिए और अगले अनुसूची को संशोधित अनुसूची के अनुसार महाराष्ट्र माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, पुणे के माध्यम से घोषित किया जाना चाहिए।

वे मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की बैठक में बोल रहे थे। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड, पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे, राज्य मंत्री बच्चू कडु, मुख्य सचिव सीताराम कुंटे, शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव वंदना कृष्णा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव आशीष कुमार सिंह, प्रमुख सचिव विकास खड़गे, सचिव अबसाहेब जराहद, माध्यमिक उच्चतर माध्यमिक अध्यक्ष दिनकर पाटिल, राजेंद्र पवार आदि उपस्थित थे।

१२ वीं की परीक्षा को संशोधित कार्यक्रम के अनुसार लिया जाना चाहिए घोषित संशोधित कार्यक्रम के अनुसार १२ वीं कक्षा की परीक्षाएं आयोजित की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि ऐसा करते समय, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि १२ वीं कक्षा के छात्रों को आईआईटी, जेईई और एनईईटी परीक्षा देनी होती है और अन्य उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों में प्रवेश मिलता है, उन्हें नुकसान नहीं होना चाहिए।

पूरी तैयारी, व अन्य व्यवस्थाओं को विकसित किया जाना चाहिए ताकि जिन तिथियों पर हम १२ वीं परीक्षा की घोषणा करते हैं, उन्हीं तिथियों पर परीक्षा ली जा सके। केंद्रों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए, स्कूल और कॉलेज के भवनों को ठीक किया जाना चाहिए, बड़े हॉल ढूंढे जाने चाहिए, छात्रों को सुरक्षित दूरी, परीक्षा केंद्रों की साफ-सफाई, शौचालय, कीटाणु शोधन पर ध्यान देना चाहिए। परीक्षा आयोजित करने के लिए अतिरिक्त श्रमशक्ति की योजना बनाई जानी चाहिए, इस बीच परीक्षा प्रणाली में सभी कर्मचारियों-अधिकारियों और पर्यवेक्षी प्रणाली में कर्मचारियों को टीका लगाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा एक पूर्ण और सुनियोजित एसओपी तय किया जाना चाहिए।

वंदना कृष्णा ने इस संबंध में अनुभाग प्रस्तुत किया। स्कूल शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड, पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे, राज्य मंत्री बच्चू कडु, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक बोर्ड के अधिकारियों ने उनके विचारों और भूमिकाओं को समझाया। तब निर्णय लिया गया है।

पालकमंत्री नवाब मलिक ने की गोंदिया के हालातों पर चर्चा

गोंदिया जिले के पालकमंत्री श्री नवाब मलिक ने आज गोंदिया जिले के जिलाधिकारी श्री दिपक कुमार मीना, पुलीस अधिक्षक श्री पानसरे, डीन डॉ. रुखमोडे, सिवील सर्जन डॉ. मोहबे, डीएचओ डॉ.कापसे व सभी अधिकारियो के साथ विडीयो कान्फ्रेंसींग के माध्यम से बैठक लेकर कोरोना १९ संक्रमण पर चर्चा कर अनेको निर्देष जारी किये। आरटीपीसीआर की नई मशीन का आर्डर व पेमेंट देने के बाद भी हाफ्कीन कम्पनी द्वारा सप्लाई नही की जाने पर त्वरित डॉ.लहाने संचालक आरोग्य विभाग से बात करके कार्यवाही करने हेतु आदेश दिये। ऑक्सीजन हेतु ऑक्सीजन कंसनट्रेटर मशीन त्वरित खरीदी के आदेश दिये, साथ ही शासकियस्तर पर कोविड सेंटर बढाने हेतु चर्चा की। ऑक्सीजन की सप्लाई हेतु भी हर स्तर पर प्रयास करने हेतु निर्देष दिये। रेमडेसीविर इंजेक्शन की मांग बड़े पैमाने पर बढ़ने से इंजेक्शन बाबत भी आरोग्य विभाग के वरिष्ठों को इंजेक्शन उपलब्ध कराने हेतु निर्देष दिये।

पूर्व विधायक राजेंद्र जैन जिला नियोजन समिति सदस्य द्वारा २४ घंटे मे आरटीपीसीआर की रिर्पोट मिलने बाबद व ऑक्सीजन, इंजेक्शन की पुर्ति बाबत निवेदन किया गया। खासदार प्रफुल पटेल गोंदिया व भंडारा जिले मे रेमडेसीविर इंजेक्शन की सप्लाई हेतु दवा कम्पनी से बात कर रहे है, आगामी एक-दो दिनों में कार्यवाही होगी। कोविड-१९ की गंभीर परिस्थिती में सभी सहकार्य करें व जनसामान्य को मदद हो इस हेतु आवश्यक मेडिकल सुविधा मिले इस बाबत शासन द्वारा प्रयत्न करने की बात पालकमंत्री ने की तथा शीघ्र ही वे गोंदिया आकर परिस्थिती का जानकारी लेंगी।

वायरस फैलने से कैसे रोकें

आयोलाल-झुलेलाल आयोलाल-झुलेलाल

चेट्रीचंड्र, गुड़ीपाड़वा, चैत्र नवरात्र
रामनवमी, हनुमान जन्मोत्सव एवं
माहे-रमज़ान की

हार्दिक शुभकामनाएँ

मुकेश वतवानी विशाल साहु दीपक सिक्का शाहरुख पठान

लोकेश (कल्लु) यादव
(नगर सेवक)

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।